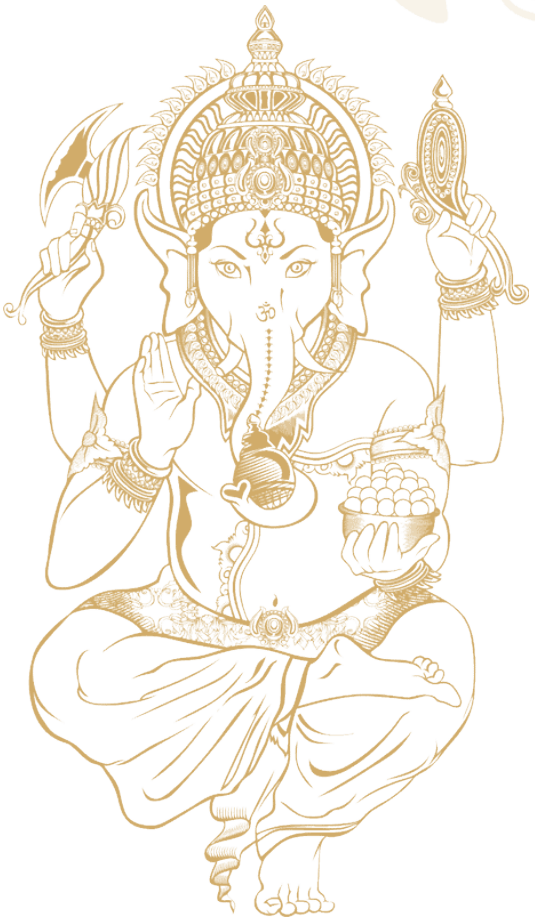

Raman

17 Jun 1997

12:55 AM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121478307

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16-17/06/1997**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**00:55:00 घंटे**
इष्ट	48:51:41 घटी
स्थान	**Panipat**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:24:00 उत्तर
रेखांश	76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:32:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:38 घंटे
साम्पातिक काल	18:13:16 घंटे
सूर्योदय	05:22:19 घंटे
सूर्यास्त	19:23:19 घंटे
दिनमान	14:00:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	01:50:57 मिथुन
लग्न के अंश	10:57:24 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शिव
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	10:57:24	519:27:51	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	---
सूर्य			मिथु	01:50:57	00:57:16	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			तुला	12:14:07	12:38:47	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			कन्या	05:05:21	00:25:19	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	वृष	21:06:25	02:03:07	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		मक	28:02:46	00:01:18	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र			मिथु	21:36:30	01:13:10	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	24:48:15	00:04:21	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	00:28:46	00:05:50	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	00:28:46	00:05:50	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	14:23:06	00:01:33	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:36:44	00:01:16	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:48:52	00:01:29	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	09:13:14	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:15

लग्न-चलित

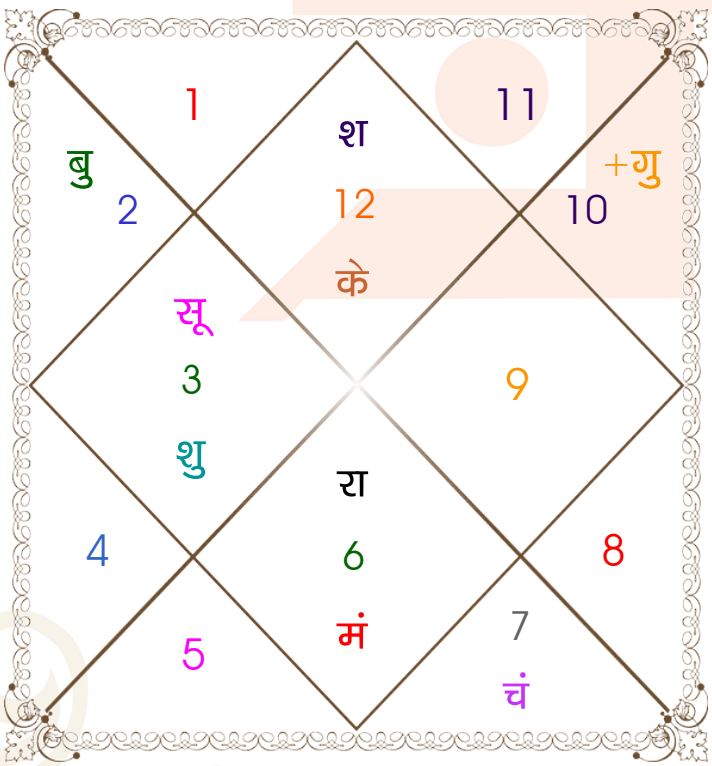

चन्द्र कुंडली

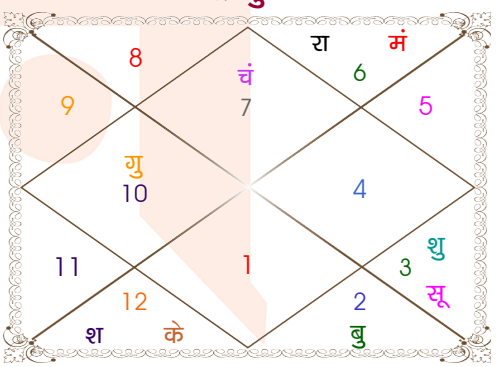

नवमांश कुंडली

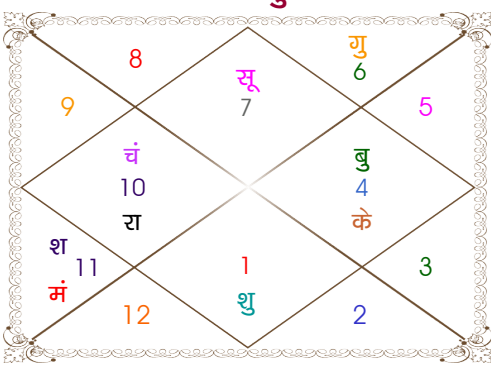

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 10 वर्ष 5 मास 23 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/06/1997		10/12/2007		10/12/2023		10/12/2042		10/12/2059	
10/12/2007		10/12/2023		10/12/2042		10/12/2059		10/12/2066	
	00/00/0000	गुरु	27/01/2010	शनि	13/12/2026	बुध	08/05/2045	केतु	07/05/2060
	17/06/1997	शनि	10/08/2012	बुध	22/08/2029	केतु	05/05/2046	शुक्र	07/07/2061
शनि	21/11/1997	बुध	16/11/2014	केतु	01/10/2030	शुक्र	05/03/2049	सूर्य	12/11/2061
बुध	10/06/2000	केतु	22/10/2015	शुक्र	01/12/2033	सूर्य	09/01/2050	चंद्र	13/06/2062
केतु	28/06/2001	शुक्र	22/06/2018	सूर्य	13/11/2034	चंद्र	11/06/2051	मंगल	10/11/2062
शुक्र	28/06/2004	सूर्य	11/04/2019	चंद्र	13/06/2036	मंगल	07/06/2052	राहु	28/11/2063
सूर्य	23/05/2005	चंद्र	10/08/2020	मंगल	23/07/2037	राहु	25/12/2054	गुरु	03/11/2064
चंद्र	22/11/2006	मंगल	17/07/2021	राहु	29/05/2040	गुरु	01/04/2057	शनि	13/12/2065
मंगल	10/12/2007	राहु	10/12/2023	गुरु	10/12/2042	शनि	10/12/2059	बुध	10/12/2066

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/12/2066		10/12/2086		09/12/2092		11/12/2102		11/12/2109	
10/12/2086		09/12/2092		11/12/2102		11/12/2109		00/00/0000	
शुक्र	10/04/2070	सूर्य	30/03/2087	चंद्र	10/10/2093	मंगल	09/05/2103	राहु	23/08/2112
सूर्य	11/04/2071	चंद्र	28/09/2087	मंगल	11/05/2094	राहु	27/05/2104	गुरु	16/01/2115
चंद्र	09/12/2072	मंगल	03/02/2088	राहु	10/11/2095	गुरु	03/05/2105	शनि	18/06/2117
मंगल	09/02/2074	राहु	28/12/2088	गुरु	11/03/2097	शनि	11/06/2106		00/00/0000
राहु	08/02/2077	गुरु	16/10/2089	शनि	10/10/2098	बुध	09/06/2107		00/00/0000
गुरु	10/10/2079	शनि	28/09/2090	बुध	12/03/2100	केतु	05/11/2107		00/00/0000
शनि	10/12/2082	बुध	04/08/2091	केतु	11/10/2100	शुक्र	04/01/2109		00/00/0000
बुध	10/10/2085	केतु	10/12/2091	शुक्र	11/06/2102	सूर्य	12/05/2109		00/00/0000
केतु	10/12/2086	शुक्र	09/12/2092	सूर्य	11/12/2102	चंद्र	11/12/2109		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 10 वर्ष 5 मा 0 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।